This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **44**

Unique Paper Code : **205381** **F**

Name of the Paper : **हिंदी सृजनात्मक लेखन और अनुवाद**

Name of the Course : **B.Com. (Prog) Hindi CP 3.4**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के स्वरूप का विवेचन कीजिए । 8

अथवा

सर्जनात्मक लेखन के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए साहित्य के क्षेत्र में हिंदी के स्वरूप की विवेचना कीजिए ।

2. (क) मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'घूम रहा है कैसा चक्र' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए । 6

अथवा

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ले चल वहाँ भुलावा देकर,

मेरे नाविक! धीरे धीरे ।

P.T.O.

जिस निर्जन में सागर लहरी
अंबर के कानों में गहरी –
निश्छल प्रेम-कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे ।

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए । 5

अथवा

'उसने कहा था' हिंदी की पहली मौलिक कहानी है । स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'सूखी डाली' एकांकी में निहित समस्या पर प्रकाश डालिए । 5

अथवा

'अंडे के छिलके' एकांकी में व्यक्त युवा पीढ़ी में बदलाव को स्पष्ट कीजिए ।

3. (क) अपने महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव की एक सारगर्भित रिपोर्ट प्रस्तुत कीजिए । 8

अथवा

यात्रा-वृत्तांत पर टिप्पणी लिखिए ।

(ख) टी.वी. विज्ञापन की विशेषताएँ बताइए । 7

अथवा

फीचर पर टिप्पणी लिखिए ।

4. (क) उद्योग जगत में हिंदी की स्थिति स्पष्ट कीजिए । 7

अथवा

वाणिज्य जगत में हिंदी के योगदान का उल्लेख कीजिए ।

(ख) वित्त-संस्थानों में हिंदी की स्थिति स्पष्ट कीजिए । 7

अथवा

बैंकों में हिंदी के प्रयोग पर विचार व्यक्त कीजिए ।

5. (क) अनुवाद के उपकरणों को स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

अनुवाद के विभिन्न रूपों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) पुनरीक्षण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 5

अथवा

अनुवाद और आशु-अनुवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

6. (क) दिए गए अनुच्छेद को हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 6

ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा देने वाली कंपनियाँ कहती हैं – "क्या आप घर में रहते हुए बाजार घूमने की सोच सकते हैं ? यह मीडियम है जो आपके बेडरूम से ऑफिस तक एक सुपरमार्केट हाजिर कर देता है । ट्रेडिशनल मार्केट में अगर आपको दो-चार ब्रैंड्स के प्राइस क्रॉसचेक करने हों तो आपका पूरा दिन निकल जाएगा और जरूरी नहीं कि आप कर पाएं । पेमेंट मेकेनिज्म बदलने से कई संभावनाओं के द्वार खुले हैं ।

अथवा

एक महान पुस्तक उसके लेखक के मस्तिष्क और हृदय से जन्म लेती है, उसने स्वयं को उसके पृष्ठों में डाला होता है । अतएव सर्वप्रथम पुस्तक में व्यक्ति को जानना अपेक्षित है । हमें अपना रास्ता खोजना है । हमें उसे व्यक्तिगत रूप में जानना है । अतएव पुस्तकों के साथ सरल प्रत्यक्ष मानवीय रूप से व्यक्तिगत अंत:संबंध स्थापित करना हमारा प्राथमिक और निरंतर लक्ष्य होना चाहिए । सर्वप्रथम हम अच्छे पाठक बनना चाहते हैं, न कि विद्वान् ।

(ख) दिए गए अनुच्छेद का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद कीजिए : 6

Each nation has its own peculiar method of work. Some work through politics, some through social reforms, some through other lines. With us religion is the only ground along which we can move. The Englishman can understand religion even through social reforms. But the Hindu can understand even politics when it is given through religion; sociology must come through religion, everything must come through religion.

Or

The guru taught the golden rules of his religion to all who came to him. He also worked in the fields like a farmer. He also thought of god all the time. He repeated his name. His followers also did the same. Some worked in the fields. Some worked in common kitchen. Some brought drywood for the langar, other did other duties in order to prepare articles needed for the guru's family. They did not want any payment for such work. They did at all out of their love for the guru. It was all a labour of love. They also thought of god all the time. The guru loved them for this.